

## DEPARTMENT OF BIOTECHNOLOGY

<b>Title</b>	<b>Seminar on the occasion of National Energy Conservation Day <i>IIC Celebration Activity</i></b>
<b>Theme</b>	<b><i>Specific Reference to Renewable Energy Conservation</i></b>
<b>Speaker</b>	<b>Invited Speakers Dr. Shilpi Bansal Director, Dewan Institute of Engineering and Technology Meerut</b>
<b>Convener</b>	<b>Dr. Shubha Dwivedi Head Department of Biotechnology School of Life Science &amp; Technology</b>
<b>Session Detail</b>	<p style="text-align: center;"><b>Session 1</b> Guest Lecture by Invited Speaker Dr. Shilpi Bansal Director &amp; Environmentalist Deewan Group of Institution, Meerut <b>Time: 12.00 PM Onwards, B Block Seminar Hall</b></p> <p style="text-align: center;"><b>Session 2</b> <b>Research Idea Presentation</b> Registration Link: <a href="https://forms.gle/bj7htjLhkFU2ziBc9">https://forms.gle/bj7htjLhkFU2ziBc9</a> <b>Time: 2.00 PM onwards, B Block Seminar Hall</b></p>
<b>Venue /College Name Address</b>	B Block, Department of Biotechnology, Seminar Hall
<b>Venue City , State</b>	Meerut, Uttar Pradesh India
<b>Date and Time</b>	<b><i>14 December 2023 Time: 11.00AM Onwards</i></b>
<b>Duration</b>	4.00 hours
<b>Registration link</b>	<a href="https://forms.gle/bj7htjLhkFU2ziBc9">https://forms.gle/bj7htjLhkFU2ziBc9</a>
<b>Registration Link</b>	List attached
<b>Feedback Link</b>	-
<b>No. of Students Participants</b>	100
<b>No. of Faculty Participants</b>	10
<b>Session Type</b>	offline

Program Type	Seminar
<p><b>Remarks :</b>  <i>(Feedback by event Coordinator )</i>  100 to 200 words</p>	<p>Event was organized in Offline mode. It full-fill the target of Sustainable development goal 7. All students, faculty members were present. It gives me immense pleasure to share with you that IIC-IIMT University, Department of Biotechnology has organized a <b>One day smnar “on the occasion of National Energy Conservation Day specific reference to renewable energy resources” on 14<sup>th</sup> December 2023.</b>The session aimed at Global Climate Change, waste to energy conversion, waste management and its ability to recover from setbacks. Dr. Shilpi Bansal brings up a variety of interesting points to consider. Dr.Bansal delivers the lecture on energy resources and environment, various ways of energy conservation etc.</p> <p>Inaugural remark of session one was given by Professor and Dean Dr. Navneet Sharma (School of Life Science And Technology) IIMT University. Vote of thanks was given by Head of the Department of Biotechnology Dr. Shubha Dwivedi.</p> <p>Event convener Dr. Shubha Dwivedi told that more than 100 listeners from various students, scholars, and faculties across various Departments proved to be a fascinating number to ensure the success of activity to a large extent. All the technical support received from the Event Coordinators Dr. Shlok and Dr. SanjuktaVidyant , Assistant Professor Department of Biotechnology ,School of Life Science and Technology was appreciable.</p> <p>In Post lunch Second session students research idea presentations were organized.</p> <p>After completion, certificate distribution ceremony were take place.</p>

**\*Photo 1**  
**Collage etc.**  
File Must Be Type Of  
JPEG,PNG,JPG



**\*Photo 2**  
**Screenshot etc.**  
 File Must Be Type Of  
 JPEG,PNG,JPG



**Objective**

The session aimed at popularization of techniques for energy conservation management and resource utilization, general awareness and inculcating the knowledge in participants about the basic concepts and emerging advance & modern Technologies in energy sector.

**\*Event Poster**  
 (Insert \*.jpeg)

**INSTITUTION'S INNOVATION COUNCIL**  
 (University of UP Initiatives)  
**UoP START INUP**  
 A Government of UP Initiative  
**G20**  
 INDIA 2023  
**MHRD'S INNOVATION CELL**  
 (GOVERNMENT OF INDIA)  
**IIMT UNIVERSITY**  
 MEERUT  
 Transforming Education, Transforming Lives  
 UGC Approved  
 Section 2(B) & 12B

**SCHOOL OF LIFE SCIENCE & TECHNOLOGY**  
**Department of Biotechnology**  
**ORGANIZES**  
**National Energy Conservation Day**  
**IIC Celebration Activity**

**Session 1**  
**Guest Lecture by Invited Speaker**  
**Dr. Shilpi Bansal**  
**Director & Environmentalist**  
**Dewan Institute of Engineering & Technology, Meerut**  
**Time: 12.00 PM Onwards, B Block Seminar Hall**

**Session 2**  
**Research Idea Presentation**  
**Registration Link: <https://forms.gle/bj7htjLhkFU2ziBc9>**  
**Time: 2.00 PM onwards, B Block Seminar Hall**

**Dr. Shubha Dwivedi**  
 Head Department of Biotechnology &  
 GSFN Academic INDIA CHAIR

**Dr. Navneet Sharma**  
 Dean  
 School of Life Science & Technology

**Session 1 Convener**  
**Dr. Sanjukta Vidyant**  
 Assistant Professor  
 Department of Biotechnology

**Session 2 Convener**  
**Dr. S. M. Bhatt**  
 Associate Professor  
 Department of Biotechnology

**0121-2793500**    **www.iimtu.edu.in**

**Event Poster Publicity**  
 (Social media Link)

<https://iimtu.edu.in/>

# दैनिक भास्कर

देश का विश्वसनीय अखबार

## आईआईएमटी विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस पर सेमिनार का आयोजन

लोकतंत्र भास्कर

मेरठ। राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस के अवसर पर आईआईएमटी विश्वविद्यालय में इनोवेशन इंस्टीट्यूशन सेल व जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। आईआईएमटी विश्वविद्यालय की कुलपति व विश्वविद्यालय की इनोवेशन सेल की अध्यक्ष डॉ. दीपा शर्मा ने कहा की विश्वविद्यालय आईआईसी के मानकों को पूरा करने के लिए कटिबद्ध है व शोध एवं नवाचार को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

संगोष्ठी में अतिथि व्याख्यान डॉ. शिल्पी बंसल निदेशक दीवान इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी व पर्यावरणविद् द्वारा दिया गया। उन्होंने अपने व्याख्यान में ऊर्जा संरक्षण व वैकल्पिक ऊर्जा के स्रोतों का अनुसंधान करने की महती आवश्यकता बताई। आईआईएमटी विश्वविद्यालय के निदेशक मानव संसाधन व अधिष्ठाता अनुसंधान डॉ. एके अग्रवाल ने ऊर्जा संरक्षण व गैर पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों के बारे में बताया। डॉ. नवनीत शर्मा डीन लाइफ साइंस ने कहा कि आज के समय में वैकल्पिक ऊर्जा के क्षेत्र में अधिक प्रयास करने होंगे जिससे यह सभी को सुलभ हो सके। संगोष्ठी के द्वितीय सत्र में जैव प्रौद्योगिकी के विद्यार्थियों द्वारा ऊर्जा संरक्षण के नवीनतम तकनीक पर शोध पर प्रस्तुत किए गए। बीएससी बायोटेक्नोलॉजी के द्वितीय वर्ष के छात्र रुद्रि



तनुश्री शिवम ने सेव फ्यूल- सिक्योर फ्युचर पर शोध प्रस्तुत किया। श्रुति मुस्कान व वाजिद ने एलजी के इस्तेमाल से बायोफ्यूल को किस प्रकार बनाया जाए पर शोध प्रस्तुत किया। बीएससी बायोटेक तृतीय वर्ष के छात्र मनप्रताप ने ग्लोबल क्लाइमेट चेंज पर, बीएससी द्वितीय वर्ष के छात्र राजीव एवं प्रशांत ने इनोवेशन इन रिनेवेबल सेक्टर पर, बीएससी तृतीय वर्ष के छात्र उज्ज्वल ने करंट स्टेटस ऑफ फॉसिल फ्यूल पर, एमएससी बायोटेक्नोलॉजी प्रथम वर्ष के छात्र निखिल देशवाल एवं खुशी दुबे ने इनोवेशन रेनेवेबल सेक्टर पर, बीएससी द्वितीय वर्ष के छात्र निकिता व आदित्य ने फ्यूचर ऑफ

ग्रीन एंड क्लीन एनर्जी पर शोध प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों को शोध प्रस्तुति हेतु प्रमाण पत्र देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया संगोष्ठी की समन्वयक डॉ. शुभा द्विवेदी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए संगोष्ठी के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के सफल आयोजन की विश्वविद्यालय के कुलाधिपति योगेश मोहनजी गुप्ता, प्रति कुलाधिपति डॉ. मयंक अग्रवाल व कुलपति डॉक्टर दीपा शर्मा ने बधाई दी। डॉ. संयुक्ता डॉ. शील मंगल, डॉ. रलोक, आयुषी, वंदना, खुशी, खुरहाली, तीफिक, रेहान, निशांत, अहाना, दिशा, पारवी, दिव्यम ने सहयोग प्रदान किया।

## दिव्य विश्वास

### आईआईएमटी विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस पर सेमिनार का आयोजन

दिव्य विश्वास संवाददाता

मेरठ। राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस के अवसर पर आईआईएमटी विश्वविद्यालय में इनोवेशन इंस्टीट्यूशन सेल व जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। आईआईएमटी विश्वविद्यालय की कुलपति व विश्वविद्यालय की इनोवेशन सेल की अध्यक्ष डॉ. दीपा शर्मा ने कहा की विश्वविद्यालय आईआईसी के मानकों को पूरा करने के लिए कटिबद्ध है व शोध एवं नवाचार को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। संगोष्ठी में अतिथि व्याख्यान डॉ. शिल्पी बंसल निदेशक दीवान इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी व पर्यावरणविद् द्वारा दिया गया। उन्होंने अपने व्याख्यान में ऊर्जा संरक्षण व वैकल्पिक ऊर्जा के स्रोतों का अनुसंधान करने की महती आवश्यकता बताई।



● फोटो: दिव्य विश्वास

आईआईएमटी विश्वविद्यालय के निदेशक मानव संसाधन व अधिष्ठाता अनुसंधान डॉ. एके अग्रवाल ने ऊर्जा संरक्षण व गैर पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों के बारे में बताया। डॉ. नवनीत शर्मा डीन लाइफ साइंस ने कहा कि आज के समय में वैकल्पिक ऊर्जा के क्षेत्र में अधिक प्रयास करने होंगे जिससे यह सभी को सुलभ हो सके। संगोष्ठी के द्वितीय सत्र में जैव प्रौद्योगिकी के विद्यार्थियों द्वारा ऊर्जा संरक्षण के नवीनतम तकनीक पर

शोध पर प्रस्तुत किए गए। बीएससी बायोटेक्नोलॉजी के द्वितीय वर्ष के छात्र रुद्रि तनुश्री शिवम ने सेव फ्यूल- सिक्योर फ्युचर पर शोध प्रस्तुत किया।

श्रुति मुस्कान व वाजिद ने एलजी के इस्तेमाल से बायोफ्यूल को किस प्रकार बनाया जाए पर शोध प्रस्तुत किया। बीएससी बायोटेक तृतीय वर्ष के छात्र मनप्रताप ने ग्लोबल क्लाइमेट चेंज पर, बीएससी द्वितीय वर्ष के छात्र राजीव एवं प्रशांत ने इनोवेशन इन रिनेवेबल सेक्टर पर,

बीएससी तृतीय वर्ष के छात्र उज्ज्वल ने करंट स्टेटस ऑफ फॉसिल फ्यूल पर, एमएससी बायोटेक्नोलॉजी प्रथम वर्ष के छात्र निखिल देशवाल एवं खुशी दुबे ने इनोवेशन रेनेवेबल सेक्टर पर, बीएससी द्वितीय वर्ष के छात्र निकिता व आदित्य ने फ्यूचर ऑफ ग्रीन एंड क्लीन एनर्जी पर शोध प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों को शोध प्रस्तुति हेतु प्रमाण पत्र देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया संगोष्ठी की समन्वयक डॉ. शुभा द्विवेदी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए संगोष्ठी के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के सफल आयोजन की विश्वविद्यालय के कुलाधिपति योगेश मोहनजी गुप्ता, प्रति कुलाधिपति डॉ. मयंक अग्रवाल व कुलपति डॉक्टर दीपा शर्मा ने बधाई दी। डॉ. संयुक्ता डॉ. शील मंगल, डॉ. रलोक, आयुषी, वंदना, खुशी, खुरहाली, तीफिक, रेहान, निशांत, अहाना, दिशा, पारवी, दिव्यम ने सहयोग प्रदान किया।

## राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस पर सेमिनार का हुआ आयोजन

पश्चिम पुकार ब्यूरो

मेरठ। राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस के अवसर पर आईआईएमटी विश्वविद्यालय में इनोवेशन इंस्टीट्यूशन सेल व जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। आईआईएमटी विश्वविद्यालय की कुलपति व विश्वविद्यालय की इनोवेशन सेल की अध्यक्ष डॉ दीपा शर्मा ने कहा की विश्वविद्यालय आईआईसी के मानको को पूरा करने के लिए कटिबद्ध है व शोध एवं नवाचार को आगे बढाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। संगोष्ठी में अतिथि व्याख्यान डॉ शिल्पी बंसल निदेशक दीवान इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी व पर्यावरणविद् द्वारा दिया गया। उन्होंने अपने व्याख्यान में ऊर्जा संरक्षण व वैकल्पिक ऊर्जा के स्रोतों का अनुसंधान करने की महती आवश्यकता बताई। आईआईएमटी विश्वविद्यालय के निदेशक मानव संसाधन व अधिष्ठाता अनुसंधान डॉ ए० के० अग्रवाल ने ऊर्जा संरक्षण व गैर पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों के बारे में बताया। डॉ नवनीत शर्मा डीन लाइफ साइंस ने कहा कि



आज के समय में वैकल्पिक ऊर्जा के क्षेत्र में अधिक प्रयास करने होंगे जिससे यह सभी को सुलभ हो सके। संगोष्ठी के द्वितीय सत्र में जैव प्रौद्योगिकी के विद्यार्थियों द्वारा ऊर्जा संरक्षण के नवीनतम तकनीक पर शोध पर प्रस्तुत किए गए। बीएससी बायोटेक्नोलॉजी के द्वितीय वर्ष के छात्र दृष्टि तनुश्री शिवम ने सेव फ्यूल- सिक्योर फ्यूचर पर शोध प्रस्तुत किया। ररुति मुस्कान व वाजिद ने एलजी के इस्तेमाल से बायोफ्यूल को किस प्रकार बनाया जाए पर शोध प्रस्तुत किया। बीएससी बायोटेक तृतीय वर्ष के छात्र मनप्रताप ने ग्लोबल क्लाइमेट चेंज पर, बीएससी द्वितीय वर्ष के

छात्र राजीव एवं प्रशांत ने इनोवेशन इन रिनेवेबल सेक्टर पर, बीएससी तृतीय वर्ष के छात्र उज्ज्वल ने करंट स्टेटस ऑफ फॉसिल फ्यूल पर, एमएससी बायोटेक्नोलॉजी प्रथम वर्ष के छात्र निखिल देशवाल एवं खुशी दुबे ने इनोवेशन रेनेवेबल सेक्टर पर, बीएससी द्वितीय वर्ष के छात्र निकिता व आदित्य ने फ्यूचर ऑफ ग्रीन एंड ब्लू एनर्जी पर शोध प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों को शोध प्रस्तुति हेतु प्रमाण पत्र देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया। संगोष्ठी की समन्वयक डॉ शुभा द्विवेदी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए संगोष्ठी के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के सफल आयोजन की विश्वविद्यालय के कुलाधिपति योगेश मोहनजी गुप्ता, प्रति कुलाधिपति डॉ मयंक अग्रवाल व कुलपति डॉक्टर दीपा शर्मा ने बधाई दी। डॉ संयुक्ता डॉ शील मंगल, डॉ श्लोक, आयुषी, वंदना, खुरी, खुशहाली, तौफिक, रेहान, निशांत, अहना, दिशा, पारवी, दिव्यम ने सहयोग प्रदान किया।